Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

License Information

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Words, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

क

कटी, कठोर, कठोर-अडिग, कनान, कपटी, कफरनहूम, कब्र, कमर कसना, कर, कर, करकट, करना, करूब, करेतियों, कर्मेल, कलह, कलीसिया, कसदी, काँटा, कांपना, कादेश, काना, कानाफूसी, कालेब, किद्रोन नाला, किलिकिया, कीर्ति, कुंडली ग्रन्थ, कुँवारी, कुटुम्ब, कुटुम्बी, कुण्ड, कुरनेलियुस, कुरिन्थुस, कुरेन, कुर्ता, कुल, कुलपति, कुलुस्से, कुल्हाड़ा, कुस्सू, कूश, कूश, के समान, केदार, केदेश, कैन, कैफा, कैसर, कैसरिया, कोने का पत्थर, कोरह

कटी

परिभाषा:

"कमर" मनुष्य या पशु के शरीर का वह भाग है जो अंतिम पसली और कूल्हे की हड्डी के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- "कमर कस लो" अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कटिबन्ध में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- "कमर" शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के सन्दर्भ में लिया जाता था।
- बाइबल में "कमर" का प्रतीकात्मक एवं शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के संतानोत्पत्ति के स्रोत, गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है। (देखें: शिष्टोक्ति).
- "तुझ से उत्पन्न होगा" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है: "तेरी सन्तान होगी" या "तेरे अंश से उत्पन्न होगा" या "परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।" (देखें: शिष्टोक्ति).
- शरीर के किसी अंग के संदर्भ में इसका अनुवाद, प्रकरण के अनुसार हो सकता है: "उदर" या "कूल्हा" या "कमर।"

(यह भी देखें: वंशज, कमर कसना, सन्तान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 1:13
- 2 इतिहास 6:9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34
- अय्यूब 15:27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H3409, H3689, H4975, G3751

कठोर

परिभाषा:

- "कठोर" शब्द के अर्थ प्रायः कठिन, असाध्य या हठीला के सन्दर्भ में काम में लिया जाता है।
- "कठोर हृदय" "हठीला" उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे "कठोर परिश्रम" या "कठोर प्रयास" तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- "कठोर" शब्द का अनुवाद "कठिन" या "हठीला" या "चुनौतीपूर्ण" किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- "कठोरता" शब्द या "हृदय की कठोरता" या "कठोर हृदय" का अनुवाद हो सकता है, "हठीलापन" या "निरन्तर विद्रोह" या "विद्रोही स्वभाव" या "हठीली अवज्ञा" या "हठ करके मन फिराव न करना।"
- "कठोर हो गया" का अनुवाद हो सकता है, "मन न फिराने का हठ" या "आज्ञा मानने से इन्कार।"
- "अपने हृदयों को कठोर मत करो" का अनुवाद "मन फिराव से इन्कार मत करो" या "हठ करके अवज्ञा मत करो"।
- "हठीले" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "हठीली अवज्ञा" या "निरन्तर अवज्ञा करना" या "मन फिराव का इन्कार" या "सदैव विद्रोह करना"
- "कठोर परिश्रम करना" या "कठोर प्रयास करना" इसे में "कठोर" का अनुवाद "यत्न के साथ" या "लगन के साथ" किया जा सकता है।
- "दौड़ा चला जाता हूँ" का अनुवाद "बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ" या "दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ"।

कठोर-अडिग

- "मनुष्यों को कठोर परिश्रम का दुःख देना" (अत्याचार करना) इसका अनुवाद "मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों" या "मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दुःख देना"।
- एक और अभिव्यक्ति है, प्रसव पीड़ा जो संतान को जन्म देते समय स्त्री का अनुभव है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, दुष्ट, हृदय, प्रसव पीड़ा, हठी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:23
- व्यवस्थाविवरण 15:7
- निर्गमन 14:4
- इब्रानियों 4:7
- यूहन्ना 12:40
- मत्ती 19:8

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G09170, G14190, G14210, G14220, G14230, G22050, G25320, G25530, G28720, G28730, G34250, G34330, G40530, G41830, G44560, G44570, G46410, G46420, G46430, G46450, G49120

कठोर-अडिग

परिभाषा:

शब्द "कठिन" आमतौर पर किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करता है जो दृढ़ या अडिग होती है।

- "कठोर" (विभिन्न रूपों में) का उपयोग "हृदय" के साथ उन लोगों को संदर्भित करता है जो हठपूर्वक पश्चाताप नहीं करते या (आमतौर पर) परमेश्वर के प्रति अनाज्ञाकारी होते हैं।

अनुवाद सुझाव

- शब्द "कठिन" का अनुवाद संदर्भ के आधार पर "विद्रोही" या "जिद्दी" या "हठी" या "अडिग" भी किया जा सकता है।
- "कठोरता" या "हृदय की कठोरता" या "कठोर हृदय" शब्दों का अनुवाद "हठ" या "लगातार विद्रोह" या "विद्रोही रवैया" या "हठपूर्वक आज्ञा का उल्लंघन" या "हठपूर्वक पश्चाताप न करना" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "कठोर गर्दन" का अनुवाद "हठी" या "विद्रोही" के रूप में भी किया जा सकता है
- शब्द "कठोर बनना" का अनुवाद "हठीली और पश्चातापहीन" या "आज्ञा मानने से इनकार करना" भी किया जा सकता है।
- "अपना हृदय कठोर मत करो" का अनुवाद "पश्चाताप करने से इनकार मत करो" या "हठपूर्वक अनाज्ञाकारीता मत करो" के रूप में किया जा सकता है।
- "ढीठ" या "कठोर मन" का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "हठपूर्वक अनाज्ञाकारीता" या "निरंतर अवज्ञा करना" या "पश्चाताप करने से इनकार करना" या "हमेशा विद्रोह करना" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हठी)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

कनान

तथ्य:

कनान हाम का पुत्र था और हाम नूह का पुत्र था। कनानी लोग कनान के वंशज थे।

- "कनान" या "कनान देश" वह क्षेत्र था जो यरदन नदी और भूमध्यसागर के बीच का था। दक्षिण में वह मिस्र की सीमा तक था और उत्तर में सीरिया की सीमा तक।
- इस देश के निवासी कनानी और अन्यजातियां थे।
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह कनान देश उसे और उसके वंशज, इस्राएलियों को देगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हाम, प्रतिज्ञा का देश)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:19–20
- निर्गमन 3:7–8
- उत्पत्ति 9:18
- उत्पत्ति 10:19–20
- उत्पत्ति 13:7
- उत्पत्ति 47:2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **4:5** इस प्रकार अब्राम अपनी पत्नी सारै, और जो धन उन्होंने इकट्ठा किया था, और जो प्राणी उन्होंने हारान में प्राप्त किये थे, सब को लेकर **कनान** देश में जो परमेश्वर ने उसे दिखाया था जाने को निकल चला;
- **4:6** जब अब्राम **कनान** देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उससे कहा कि, "अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा।"
- **4:9** "मैं_कनान_ देश तेरे वंश को दूँगा।"
- **5:3** " मैं तुझको, और तेरे पश्चात् तेरे वंश को भी, यह सारा **कनान** देश दूँगा कि वह उनकी निज भूमि रहेगी, और मैं उनका परमेश्वर रहूँगा।"
- **7:8** बीस वर्ष तक अपने घर से, जो **कनान** में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3667, H3669, G2581, G5478

कपटी

परिभाषा:

"कपटी" शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो धर्मी होने का दिखावा करता है परन्तु गुप्त में बुरे काम करता "कपट" शब्द ऐसे व्यवहार के सन्दर्भ में है जो मनुष्यों को धोखा दे कि वह धर्मी जन है.

- कपटी मनुष्य अच्छे काम करते हुए दिखना चाहते हैं कि मनुष्य उन्हें अच्छे मनुष्य समझें.
- कपटी मनुष्य प्रायः दूसरों की तो आलोचना करते हैं परन्तु स्वयं वैसे ही पापी काम करते हैं.
- यीशु फरीसियों को कपटी कहता था क्योंकि वे धर्म का दिखावा करते थे जैसे विशेष वस्त्र धारण करना, विशेष भोजन करना परन्तु वे मनुष्यों के साथ दया या निष्पक्षता का व्यवहार नहीं करते थे.
- कपटी मनुष्य दूसरों के दोष देखता है परन्तु अपने दोष स्वीकार नहीं करता है

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में "दोमुखी" शब्द काम में लिया जाता जो कपटियों और कपटियों के कार्यों के सन्दर्भ में होता है.
- "कपटी" के अन्य अनुवाद रूप हैं, "झूठा" या "ढोंगी" या "दम्भी मक्कार मनुष्य."
- "कपट" का अनुवाद "धोखा" या "झूठे कार्य" या "दिखावा" किया जा सकता है.

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 2:13
- लूका 6:41–42
- लूका 12:54–56
- लूका 13:15
- मरकुस 7:6–7
- मत्ती 6:1–2
- रोमियो 12:9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0120, H2611, H2612, G05050, G52720, G52730

कफरनहूम

तथ्य:

कफरनहूम गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर मछुआरों का एक गांव था।

- यीशु जब गलील में शिक्षा देता था तब वह कफरनहूम में ठहरता था।
- उसके अनेक शिष्य कफरनहूम से थे।
- यीशु ने इस गांव में अनेक आश्चर्यकर्म किए थे, जिनमें मृतक बालिका को फिर जीवित करना भी था।
- कफरनहूम उन तीन नगरों में से एक था जिन पर यीशु ने सार्वजनिक हाय की थी क्योंकि वहां के लोगों ने उसका इन्कार किया और उसकी शिक्षाओं में विश्वास नहीं किया था। यीशु ने उन्हें चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उन्हें अविश्वास का दण्ड देगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गलील, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 2:12
- लूका 4:31
- लूका 7:1
- मरकुस 1:21
- मरकुस 2:2
- मत्ती 4:12–13
- मत्ती 17:24–25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G25840

कब्र

परिभाषा:

- “कब्र” वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। “कब्रिस्तान” एक अधिक सामान्य शब्द है जो इसके ही सन्दर्भ में काम में अता है।
- यहूदी कभी-कभी प्राकृतिक गुफाओं को कब्रों के लिए काम में लेते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों की चट्टानों में गुफा खोदते थे।
- नये नियम के युग में, ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि लक्षित भाषा में कब्र के लिए प्रयुक्त शब्द केवल शव को गाड़ने के लिए धरती में बनाया गया एक छेद के सन्दर्भ में हो तो इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं: "गुफा" या पहाड़ में किया गया छेद"।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर “कब्र” शब्द मृतक अवस्था को दर्शाने या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: दफन करना, मृत्यु)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 2:29–31
- उत्पत्ति 23:5–6
- उत्पत्ति 50:5
- यूहन्ना 19:41
- लूका 23:53
- मरकुस 5:1–2
- मत्ती 27:53
- रोमियो 3:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:4** वह **कब्रों** में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था|
- **37:6** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, "**कब्र** में, आओ और देख लो |” तब यीशु रोया|
- **37:7** वो **कब्र** एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लुढ़का दिया गया था|
- **40:9** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई **कब्र** में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया|
- **41:4** उसने कब्र के पत्थर को जो **कब्र** के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, **कब्र** की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए|
- **41:5** जब महिलाएँ **कब्र** पर पहुँची, तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा, “मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है|" आओ, यह स्थान देखो |” तब उन स्त्रियों ने **कब्र** में देखा और जहा यीशु का शरीर रखा गया था वहाँ देख| उसका शरीर वहा नहीं था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G3418, G3419, G5028

कमर कसना

परिभाषा:

“बाँधना” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कस लो” के अनुवाद में लक्षित भाषा की समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका लाक्षणिक अनुवाद भी किया जासकता है, “कार्य करने के लिए तैयार हो जाओ” या “तैयार हो जाओ।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 1:13
- अय्यूब 38:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H640, H247, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

कर

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात उन पर सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना। कर संग्राहक एक सरकारी कर्मचारी होता है जिसका उत्तरदायित्व है कि सरकार को दी जाने वाली धनराशी जनता से वसूल करे|

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- यीशु और प्रेरितों के युग में, रोमी सरकार रोमी साम्राज्य में रहने वाले हर एक जन से कर वसूलती थी, यहूदिओं से भी|
- यदि कर नहीं चुकाया तब तो सरकार दोषी पर वैधानिक कार्यवाही करके देय राशि की वसूली कर लेती है।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य थी।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन संग्रह करना" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करना" किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।
- प्र्मी सरकार के लिए कर वसूली करने वाले प्रायः सरकार द्वारा निर्दिष्ट धनराशी से अधिक वसूली किया करते थे और अतिरिक्त धनराशी अपने पास रख लेते थे|
- क्योंकि कर संग्राहक इस प्रकार जनता को ठगते थे इसलिए यहूदी उनको महा पापी मानते थे|
- यहूदी कर संग्राहकों को देशद्रोही भी मानते थे क्योंकि वे रोमी सर्कार के लिए काम करते थे जो यहूदिओं पर अत्यचार करती थी|
- "चुंगी लेने वाले और पापी"यह उक्ति नए नियम के युग में एक सामान्य अभिव्यक्ति थी जिससे प्रकट होता था कि यहूदी कर संग्रसहकों से कैसी घृणा करते थे

(यह भी देखें: यहूदी, रोम, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21–22
- मरकुस 2:13–14
- मत्ती 9:7–9
- गिनती 31:28–29
- रोमियो 13:6–7
- लूका 3:12–13
- लूका 5:27–28
- मत्ति 5:46–48
- मत्ती 9:10–11
- मत्ती 11:18–19
- मत्ती 17:26–27
- मत्ती 18:17

बाईबल की कहानियों के उदाहरण

34:6 उसने कहा, "दो मनुष्य मंदिर में प्रार्थना करने के लिए गए; एक धर्म गुरु (फरीसी) था अनुर दूसरा चुंगी लेने वाला|" 34:7 "धर्म गुरु (फरीसी) ने इस प्रकार प्रार्थना की, 'हे परमेश्वर, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दुसरे मनुष्यों के सदृश्य पापी नहीं हूँ जैसे डाकू,अंधेर करने वाले,व्यभिचारी, और न ही इस चुंगी लेने वाले के सामान हूँ|'" 34:9 "परन्तु चुंगी लेने वाले ने दूर खड़े होकर स्वर्ग के और आँख उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट पीट कर कहा, 'हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर|'" 34:10 तब यीशु ने कहा, "मैं तुमसे सच कहता हूँ कि परमेश्वर ने उस चुंगी लेने वाले कि प्रार्थना सुन ली और उसको धर्मी घोषित कर दिया|" 35:1 एक दिन यीशु अनेक चुंगी लेने वालों और पापियों के समूह को शिक्षा दे रहा था|

शब्द तथ्य:

- कर: Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G1323, G2778, G5055, G5411 G583, G5411
- कर संग्राहक: Strong's: H5065, H5674, G5057, G5058

कर

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासक, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1–2
- 2 इतिहास 09:22–24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

करकट

परिभाषा:

किसी वस्तु को गवांना अर्थात उसे लापरवाही से फेंक देना या उसका निर्बुद्धि उपयोग करना। "उजाड़" या "करकट" का सन्दर्भ उस भूमि या शहर से है जिसे नष्ट कर दिया गया है और उसमें अब कुछ भी नहीं रह गया है।

- "उजाड़ हो जाएँगे" यह एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है, कि अधिक से अधिक बीमार या बर्बाद हो जाएंगे। जो व्यक्ति निर्बल हो रहा है वह बीमारी या भोजन की कमी के कारण बहुत दुबला-पतला हो रहा है।
- किसी नगर या स्थान को “उजाड़ छोड़ देना” अर्थात उसे नष्ट कर देना।
- "उजाड़ स्थान" के लिए एक और शब्द हो सकता है, "रेगिस्तान" या "जंगल", परन्तु निर्जन भूमि का अभिप्राय हो सकता है, वहाँ कभी मनुष्यों का वास था और फलदायी पेड़-पौधे वहाँ थे|

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 6:6
- लैव्यव्यवस्था 26:39
- मत्ती 26:8
- प्रकाशितवाक्य 18:15–17
- जकर्याह 7:13–14

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0535, H1086, H1104, H1326, H2100, H2490, H2522, H2717, H2721, H2723, H3615, H3856, H4127, H4198, H4592, H4743, H5307, H5327, H7334, H7582, H7703, H7736, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, G06840, G12870, G20490, G26730

करना

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है परमेश्वर से मेल रखो।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वायोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:7
- 1 पतरस 2:21–23
- यिर्मयाह 2:12–13
- मत्ती 13:41
- भजन 58:2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0539, H0817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G02640, G20380, G27160, G34290, G34310, G38600, G38720, G39080, G41020, G41600, G42030

करूब

परिभाषा:

“करूब” और इसके बहुवचन रूप "करूबों" इसका सन्दर्भ परमेश्वर द्वारा सृजित विशेष प्राणी से है। बाइबल के वर्णन के अनुसार करूबों के पंख होते हैं और आग निकलती है।

- करूबों परमेश्वर की महिमा एवं सामर्थ्य को दर्शाते हैं और पवित्र वस्तुओं की रक्षा का प्रतीक होते हैं।
- आदम और हव्वा के पाप के बाद परमेश्वर ने अदन की वाटिका के पूर्व में करूबों को आग की तलवार के साथ नियुक्त कर दिया था कि जीवन के वृक्ष के निकट कोई न जा पाए।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे करूबों को इस प्रकार बनाएं कि वे एक दूसरे के आमने सामने हों और उनके पंख एक दूसरे को छूते हुए वाचा के सन्दूक के प्रायश्चित के ढकने के ऊपर आच्छादित हों।
- परमेश्वर ने उनसे यह भी कहा था कि मिलापवाले तम्बू के परदों पर कढ़ाई करके करूब बनाएं।
- कुछ गद्यांशों में इन प्राणियों के चार मुंह बनाए गए है, मनुष्य, शेर, बैल और उकाब के मुंह।
- करूबों को स्वर्गदूत भी समझा जाता है परन्तु बाइबल में ऐसा स्पष्ट नहीं कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “करूबों” शब्द का अनुवाद “पंखवाले प्राणी” या “पंखोंवाले रक्षक” या “पंखों वाली रक्षक आत्माएं” या “पवित्र, पंखों वाले रक्षक”।
- “करूब” का अनुवाद करूबों के एकवचन के रूप में अनुवाद करना चाहिए उदाहरणार्थ “पंख वाला प्राणी” या “पंखवाली रक्षक आत्मा”।
- स्पष्ट करें कि इन शब्दों का अनुवाद “स्वर्गदूतों” से भिन्न हो।
- यह भी ध्यान रखें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इन शब्दों का अनुवाद क्या किया गया है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: स्वर्गदूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 13:5–6
- 1 राजा 06:23–26
- निर्गमन 25:15–18
- यहेजकेल 09:3–4
- उत्पत्ति 03:22–24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3742, G5502

करेतियों

तथ्य:

“करेतियों” एक जाति थी जो संभवतः पलिश्तियों में से थी। कुछ संस्करणों इस नाम को "करेतियों" के रूप में लिखते हैं।

- "करेतियों और पलेतियों" राजा दाऊद की सेना में सैनिकों का विशेष समूह थे जो उसके अंगरक्षक स्वरूप उसके विशेष स्वामी-भक्त थे।
- यहोयादा का पुत्र बनायाह, दाऊद के प्रबन्धक दल का एक सदस्य, करेतियों और पलेतियों का अगुआ था।
- करेतियों दाऊद के साथ थे जब वह अबशालोम के विद्रोह करने पर यरूशलेम छोड़कर गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अबशालोम, बनायाह, दाऊद, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भ:

- सपन्याह 02:4–5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3774

कर्मेल

तथ्य:

“कर्मेल पहाड़” भूमध्यसागर के तट पर स्थित पर्वतीय श्रृंखला-शारोन के मैदान के निकट उत्तर में। उसकी सबसे ऊंची चोटी 546 मीटर ऊंची है।

- कर्मेल नामक एक नगर भी था जो नमक सागर के दक्षिण में यहूदा राज्य में था।
- नाबाल एक धनवान किसान था, उसकी पत्नी का नाम अबीगैल था। वे कर्मेल नगर के निकट रहते थे। दाऊद और उसके साथी नाबाल के चरवाहों की रक्षा करते थे।
- कर्मेल पहाड़ पर एलिय्याह ने बाल पुजारियों के साथ स्पर्धा करके सिद्ध किया था कि केवल यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- यह स्पष्ट करने के लिए कि कर्मेल एक ही पहाड़ नहीं था, “कर्मेल पहाड़” का अनुवाद “कर्मेल पर्वतीय श्रृंखला के एक पहाड़ पर” या “कर्मेल पर्वतीय श्रृंखला”।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाल, एलिय्याह, यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18–19
- 1 शमूएल 15:12–13
- यिर्मयाह 46:18–19
- मीका 07:14–15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3760, H3761, H3762

कलह

परिभाषा:

“कलह” शब्द का अर्थ है मनुष्यों में शारीरिक एवं मानसिक टकराव।

- एक व्यक्ति जो झगड़े का कारण बनता है, लोगों के बीच मजबूत असहमति और भावनाओं को चोट पहुंचाते हैं।
- कभी-कभी “झगड़े” शब्द का उपयोग करने से तात्पर्य होता है क्रोध या कड़वाहट जैसे मजबूत भावनाएं शामिल होना।
- इस शब्द का अनुवाद अन्य तरीकों में, “असहमति” या “झगड़ा” या “लड़ाई” हो सकते हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 03:3–5
- हबक्कूक 01:3
- फिलिप्पियों 01:17
- नीतिवचन 17:01
- भजन संहिता 055:8–9
- रोमियो 13:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1777, H1779, H4066, H4090, H4683, H4808, H7379, H7701, G485, G2052, G2054, G3055, G3163, G5379

कलीसिया

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों के एक स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द प्रायः सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है, "बहार बुलाए गए" मनुष्यों का समुदाय या सभा जिसके समागम का उद्देश्य विशिष्ठ होता है|
- जब यह शब्द मसीह की व्यापक देह के सब विश्वासियो के सन्दर्भ में होता है तब कुछ बाईबल अनुवादक प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं जिससे कि इसका परिप्रेक्ष्य स्थानीय कलीसिया से भिन्न हो|
- किसी नगर विशेष के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले”
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति के अभिप्राय में किसी एक समूह का नहीं वरन सब विश्वासियों का भाव प्रकट होना आवश्यक है|
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: सभा, विश्वास करना, मसीही विश्वासी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 5:12
- 1 थिस्सलुनीकियों 2:14
- 1 तीमुथियुस 3:5
- प्रे.का. 9:31
- प्रे.का. 14:23
- प्रे.का. 15:41
- कुलुस्सियों 4:15
- इफिसियों 5:23
- मत्ती 16:18
- फिलिप्पियों 1:15

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की **कलीसिया** का हिस्सा बन गए।
- **46:9** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को शिक्षा देने, यीशु के बारे में बताने और **कलीसिया** को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की **कलीसिया** ने शाऊल और बरनबास के लिए प्रार्थना की और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- _47:13_वे यीशु के सुसमाचार का प्रचार करते गए और **कलीसिया** विकास करती गई।
- **50:1** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। **कलीसिया** बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G15770

कसदी

तथ्य:

कसदी मेसोपोटामिया या बेबीलोन के दक्षिण का भू भाग था। इस क्षेत्र के निवासी कसदियों कहलाते थे।

- ऊर नगर जो अब्राहम का जन्मस्थान था, वह कसदियों का ही देश था। इसे प्रायः “कसदियों का ऊर” कहा जाता है।
- नबूकदनेस्सर अनेक कसदियों में से एक था जो बेबीलोन पर राजा हुए थे।
- अनेक वर्षों बाद लगभग 600 ई.पू. में कसदी देश "बेबीलोन" कहलाया।
- दानिय्येल की पुस्तक में “कसदी” शब्द एक विशेष मानवीय वर्ग का संदर्भ देता है जो ऊंची शिक्षा प्राप्त मनुष्य थे और नक्षत्रों का अध्ययन करते थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, बाबेल, शिनार, ऊर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:4–5
- यहेजकेल 1:1
- उत्पत्ति 11:27–28
- उत्पत्ति 11:31–32
- उत्पत्ति 15:6–8
- यशायाह 13:19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3679, H3778, H3779, G5466

काँटा

तथ्य:

कंटीली झाड़ियां या ऊंटकटार वे पौधे होते हैं जिनकी शाखाओं में कांटे या फूल होते हैं। इन पौधों में फल या काम की कोई वस्तु नहीं उगती है।

- "कांटा" वृक्ष की शाखा पर एक कठोर नुकीला उभार होता है। “कंटीली झाड़ी” एक छोटा वृक्ष या झाड़ी है जिसकी टहनियों पर कांटे होते हैं।
- “ऊंटकटार” वह पौधा है जिसकी टहनियां और पत्तों पर कांटे होते हैं। उसके फूल प्रायः बैगंनी रंग के होते हैं।
- कंटीली झाड़ियां अति शीघ्र बढ़ती हैं और अच्छे पौधों को बढ़ने से रोकते हैं। यह पाप द्वारा मनुष्य की आत्मिक उन्नति को रोकने का एक उत्तम चित्रण है।
- यीशु के क्रूसीकरण से पहले उसके सिर पर गुंथे हुए कांटों का मुकुट रखा गया है।
- यदि संभव हो तो, इन शब्दों का अनुवाद दो अलग-अलग पौधों या झाड़ियों के नाम से किया जाए जो लक्षित भाषा के क्षेत्र में जाने जाते है।

(यह भी देखें: मुकुट, फल, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 6:7–8
- मत्ती 13:7
- मत्ती 13:22
- गिनती 33:55

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0329, H1863, H2312, H2336, H4534, H5285, H5518, H5544, H6791, H6796, H6975, H7063, H7898, G01730, G01740, G46470, G51460

कांपना

परिभाषा:

“कांपना” (थरथराना) अर्थात भय या घोर निराशा के कारण कंपकंपाना या लगातार कुछ-कुछ हिलना। इस शब्द को लाक्षणिक भाषा में भी काम में लिया जाता है जिसका अर्थ है, "अत्यधिक भयभीत होना।"

- कभी-कभी जब जमीन हिलती है, तो इसे "कम्पन" कहा जाता है। ऐसा भूकंप के समय या भयानक विस्फोट के समय होता है।
- बाइबल में लिखा है कि परमेश्वर की उपस्थिति में पृथ्वी कांप उठेगी। इसका अर्थ है कि पृथ्वी के लोग परमेश्वर के भय से कांप उठेंगे या पृथ्वी ही कांप उठेगी।
- इस शब्द का अनुवाद प्रकार के अनुसार हो सकता है, "भय माने" या "परमेश्वर से डरो" या "कांप उठो" या प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: पृथ्वी, भय, प्रभु)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 7:15
- 2 शमूएल 22:44-46
- प्रे.का. 16:29-31
- यिर्मयाह 5:22
- लूका 8:47

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1674, H2111, H2112, H2151, H2342, H2648, H2729, H2730, H2731, H5128, H5568, H6342, H6426, H6427, H7264, H7268, H7269, H7322, H7460, H7461, H7481, H7493, H7578, H8078, H8653, G1790, G5141, G5156, G5425

कादेश

तथ्य:

कादेश, कादेशबर्ने और मरीबा का देश आदि सब नाम इस्राएल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण नगर के नाम हैं। जो इस्राएल के दक्षिण में स्थित था, एदोम के निकट।

- कादेश नगर एक मरूद्यान था, रेगिस्तान के मध्य पानी और हरियाली का स्थान, इस रेगिस्तान का नाम सीन था।
- मूसा ने कादेशबर्ने से बारह भेदिए कनान में भेजे थे।
- जंगल में भटकते समय इस्राएल ने कादेश में छावनी डाली थी।
- कादेशबर्ने वह स्थान था जहां मिर्याम की मृत्यु हुई थी।
- मरीबा कादेश में मूसा ने चट्टान को मारकर इस्राएल के लिए पानी निकाला था, अपेक्षा उससे कहने के जैसा परमेश्वर का आदेश था।
- "कादेश" शब्द इब्रानी भाषा का है जिसका अर्थ है "पवित्र" या "पृथक हुआ"

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: रेगिस्तान, एदोम, पवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 48:27-29
- उत्पत्ति 14:7-9
- उत्पत्ति 16:13-14
- उत्पत्ति 20:1-3
- यहोशू 10:40-41
- गिनती 20:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4809, H6946, H6947

काना

परिभाषा:

काना गलील क्षेत्र में एक गांव या नगर था जो नासरत से लगभग नौ मील उत्तर में बसा हुआ था।

- काना नगर बारहों में से एक नतनएल का जन्म स्थान था।
- यीशु काना नगर में एक विवाहोत्सव में गया था जहां उसने पानी को मदिरा में परिणत करके अपना पहला आश्चर्यकर्म किया था।
- कुछ समय बाद यीशु काना में पुनः आया था जहां उसकी भेंट कफरनहूम के एक अधिकारी से हुई थी जिसने अपने पुत्र की चंगाई के लिए उससे विनती की थी।

(यह भी देखें: कफरनहूम, गलील, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 2:1–2
- यूहन्ना 4:46–47

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G25800

कानाफूसी

परिभाषा:

"कानाफूसी" किसी की व्यक्तिगत बातों के बारे में लोगों में चर्चा करना और वह भी प्रतिकूल एवम् निरर्थक! अधिकतर जो बातें की जाती हैं उनकी सत्यता की पुष्टी नहीं की गई होती है।

- बाइबल में किसी के बारे में अनुचित बातें करना गलत है। अफवाह फैलाना और निन्दा करना ऐसी प्रतिकूल बातों के उदाहरण है।
- जिसके बारे में अनुचित बातें की जा रही है, उसकी हानि ही होती है, क्योंकि ऐसा करने से मनुष्यों के साथ उस व्यक्ति के संबन्धों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

(यह भी देखें: झूठा दोष लगाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:13
- 2 कुरिन्थियों 12:20
- लैव्यव्यवस्था 19:15–16
- नीतिवचन 16:28
- रोमियो 01:29–31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5372, G2636, G5397

कालेब

तथ्य:

कालेब उन बारह इस्राएली भेदियों में से एक था जिन्हें मूसा ने कनान की जानकारी लेने के लिए भेजा था।

- उसने और यहोशू ने लोगों से कनानियों को हराने में मदद करने के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखने को कहा।
- यहोशू और कालेब उनकी पीढ़ी के एकमात्र पुरुष थे जिन्हें कनान की प्रतिज्ञा की गई भूमि में प्रवेश करने की अनुमति दी गई थी।
- कालेब ने विनती की कि हेब्रोन की भूमि उसे और उसके परिवार को दी जाए। वह जानता था कि परमेश्वर वहाँ रहने वाले लोगों को हराने में उसकी मदद करेगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हेब्रोन, यहोशू)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 4:13
- यहोशू 14:6–7
- न्यायियों 01:12
- गिनती 32:10–12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- _14:04_जब इस्राएली कनान की सीमा पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह पुरषों को चुना इस्राएल के हर गोत्र में से उसने उन पुरषों को आदेश दिया कि जाओ और भूमि का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है ।
- **14:06** तुरन्त ही **कालेब** और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा!"
- **14:08** “यहोशू और **कालिब** को छोड़कर, जितने बीस वर्ष या उससे अधिक के हैं, वे वहीं मरेंगे और प्रतिज्ञा किए हुए देश में कभी प्रवेश नहीं करेंगे।”

ताकि वे उस देश में शांति से जी सकें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3612, H3614

किद्रोन नाला

तथ्य:

किद्रोन नाला यरूशलेम के ठीक बाहर अर्थात पूर्वी दीवार और जैतून पर्वत के मध्य एक गहरी घाटी है।

- यह घाटी 1,000 मीटर से अधिक गहरी और लगभग 32 किलोमीटर लम्बी है।
- जब राजा दाऊद अपने पुत्र, अबशालेम से बचकर भाग रहा था तब वह किद्रोन नाले से होकर जैतून पर्वत पर चढ़ा था।
- यहूदा के राजा आसा और योशिय्याह ने आज्ञा दी थी कि सब ऊंचे स्थान और झूठे देवताओं की वेदियां जला कर ध्वंस कर दी जाएं तब उनकी राख किद्रोन नाले में डाल दी गई थी।
- राजा हिजकिय्याह के राज्यकाल में याजक मन्दिर से निकाली गई किसी भी अशुद्ध वस्तु को किद्रोन घाटी में फेंक देते थे।
- दुष्ट रानी अतल्याह इसी घाटी में घात की गई थी क्योंकि उसने बहुत दुष्टता के काम किए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अबशालोम, आसा, अतल्याह, दाऊद, झूठे देवता, हिजकिय्याह, ऊंचे स्थान, योशिय्याह, यहूदा, जैतून पर्वत)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 18:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5674, H6939, G27480, G54930

किलिकिया

तथ्य:

किलिकिया एक छोटा रोमी प्रान्त था जो आज के तुर्किस्तान में दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में था। वह एजीयन सागर के सिरे पर था

- प्रेरित पौलुस किलिकिया के तरसुस नगर का नागरिक था।
- दमिश्क के मार्ग पर यीशु से आमना-सामना करने के बाद पौलुस ने अनेक वर्ष किलिकिया में व्यतीत किए थे।
- किलिकिया के कुछ यहूदियों ने स्तिफनुस का सामना किया था और लोगों को उसे पथराव करने के लिए भड़काया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: पौलुस, स्तिफनुस, तरसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8–9
- प्रे.का. 15:39–41
- प्रे.का. 27:3–6
- गलातियों 01:21–24

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2791

कीर्ति

परिभाषा:

"कीर्ति" शब्द का अर्थ अच्छी तरह से ज्ञात होने के साथ जुड़ी महानता को दर्शाता है और प्रशंसनीय प्रतिष्ठा प्राप्त करना है। कुछ या कोई "कीर्तिमान" है अगर वह कीर्ति है

- कीर्तिमान मनुष्य जनमान्य एवं प्रतिष्ठित होता है
- "कीर्ति" शब्द विशेष करके दीर्घकालीन ख्याति का संदर्भ देता है।
- एक शहर जिसे "कीर्तिमान" कहा जाता है वह अक्सर उसके धन और समृद्धि के लिए जाना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "कीर्ति" का अनुवाद "ख्याति" या "सम्मानित प्रतिष्ठा" या "मनुष्यों में चिर-परिचित महानता" भी हो सकता है।
- "कीर्तिमान" शब्द का अनुवाद "चिरपरिचित एवं सर्वोच्य प्रतिष्ठा" या "उत्कृष्ट प्रतिष्ठा" भी हो सकता है।
- "यहोवा का नाम इस्राएल में कीर्तिमान हो" इस उक्ति का अनुवाद "यहोवा का नाम इस्राएल द्वारा जाना जाए और आदर के योग्य ठहरे" हो सकता है।
- वाक्यांश "कीर्ति के पुरुषों" का अनुवाद "पुरुष जो आपने साहस के लिए जाने जाते है" या "प्रसिद्ध योद्धा" या "अत्यधिक सम्मानित पुरुष" के रूप में किया जा सकता है।
- "तेरी कीर्ति पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहेगी" का अनुवाद "युगानुयुग तक हर एक पीढ़ी तेरी महानता को जानेगी" या "तेरी महानता प्रत्येक पीढ़ी में देखी एवं सुनी जायेगी"।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 06:4
- भजन संहिता 135:12–14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1984, H7121, H8034

कुंडली ग्रन्थ

परिभाषा:

प्राचीन युग में, पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चटाई होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए वे पुस्तक स्वरुप काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन कुंडली ग्रंथों पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम ज्यों का त्यों रहता था, तो प्राप्तिकर्ता को विश्वास हो जाता था कि उसे किसी ने खोल कर नहीं पडा है या उसमें कुछ और लिख दिया है क्योंकि उसकी मोहर अछूती है।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र की पुस्तक (कुंडली ग्रन्थ) आराधनालयों में ऊंची आवाज़ में पढी जाती थी ।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर का वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:3
- लूका 4:17
- गिनती 21:14–15
- प्रकाशितवाक्य 5:2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4039, H4040, H5612, G09740, G09750

कुँवारी

परिभाषा:

कुँवारी, वह स्त्री होती है जिसने किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबन्ध नहीं बनाए हैं।

- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से जन्म लेगा।
- मरियम यीशु को गर्भ में धारण करके भी कुँवारी थी। उसका सांसारिक पिता नहीं था।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है। (देखें: व्यंजना).

(यह भी देखें: मसीह, यशायाह, यीशु, मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:15–16
- लूका 1:27
- लूका 1:35
- मत्ती 1:23
- मत्ती 25:2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:9** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक **कुँवारी** से मसीह का जन्म होगा।
- __22:4__वह (मरियम) एक **कुँवारी** थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी |
- **22:5** मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह कैसे होगा, मैं तो एक **कुँवारी** हूँ?”
- **49:1** एक दूत ने मरियम नाम की एक **कुंवारी** से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक **कुँवारी** ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1330, H1331, G39320, G39330

कुटुम्ब

परिभाषा:

“कुटुम्ब” उन सब सदस्यों के संदर्भ में है जो एक घर में रहते हैं, अर्थात परिवार के सदस्य और उनके सभी दास।

- एक घर के प्रबंधन में नौकरों को निर्देश देने और संपत्ति की देखभाल भी शामिल है।
- कभी-कभी घराना शब्द का प्रतीकात्मक अर्थ पारिवारिक वंशावली भी होता था, विशेष करके वंशज।

(यह भी देखें: घराना)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 07:10
- गलातियों 06:10
- उत्पत्ति 07:01
- उत्पत्ति 34:19
- यूहन्ना 04:53
- मत्ती 10:25
- मत्ती 10:36
- फिलिप्पियों 04:22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1004, H5657, G2322, G3609, G3614, G3615, G3616, G3623, G3624

कुटुम्बी

परिभाषा:

“कुटुम्बी” शब्द मनुष्यों के रक्त के रिश्तेदारों को संदर्भित करता है, जिसे समूह के रूप में माना जाता है। “कुटुम्बी” अर्थात पुरुष संबंधी।

- “कुटुम्बी” शब्द निकट संबंधी के संदर्भ में ही हैं जैसे माता-पिता या भाई या चाचा-चाची या चचेरे भाई-बहन।
- प्राचीन इस्राएल में यदि कोई पुरुष मरता था तो उसके निकट संबंधी को उसकी विधवा से विवाह करना होता था कि वह उसकी संपदा को संभाले और उसके परिवार का नाम चलाए। ऐसे निकट संबंधी को “छुड़ाने वाला कुटुंबी” कहा जाता था।
- इस उक्ति,"कुटुम्बी" का अनुवाद हो सकता है, “संबंधी” या “कुटुंब का सदस्य।"

बाइबल सन्दर्भ:

- रोमियो 16:9–11
- रूत 2:20
- रूत 3:9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0251, H1350, H4129, H4130, H7138, H7607, G47730

कुण्ड

परिभाषा:

“कुआँ” और “हौद” बाइबल के युग में पानी के दो स्रोत थे।

- कुआँ भूमि में खोदकर बनाया जाता था कि भूगर्भ का पानी वहाँ एकत्र हो जाए।
- हौद भी भूमि में चट्टान खोदकर बनाया जाता था परन्तु वह वर्षा का पानी एकत्र करने के लिए था।
- हौद अधिकतर चट्टानों को काटकर बनाए जाते थे और लेप लगाकर जलरोधक बनाए जाते थे कि उनमें पानी सुरक्षित रहे। "टूटा हुआ हौद" में लेप फट जाता था और उसमें एकत्र पानी बह जाता था।
- हौद अक्सर लोगों के घरों के आंगन में स्थित होते है जहाँ छत से बहा हुआ बारिश का पानी संग्रहित होता था।
- कुएँ ऐसी जगह स्थित होते थे जहाँ से अनेक परिवारों या पूरे समुदाय द्वारा पहुंचा जा सके।
- पानी मनुष्यों और पशुओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है इसलिए कुएँ के उपयोग का अधिकार कलह और झगड़ों का कारण होता था।
- कुआँ और हौद दोनों ही को बड़े पत्थर से ढांक दिया जाता था कि उसमें कुछ न गिरे। कुएँ से पानी खींचने के लिए बाल्टी में रस्सी बांधकर पानी निकाला जाता था।
- कभी-कभी सूखा हौद किसी को बन्दी बनाने के लिए काम में आता था जैसा यूसुफ और यिर्मयाह के साथ किया गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- कुएँ का अनुवाद हो सकता है, "गहरा जल कूप" "पानी के स्रोत का गहरा गड्ढा" या "पानी निकालने का गहरा गड्ढा।"
- "हौद" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "पत्थर का जलाशय" या "पानी के लिए गहरा संकीर्ण छिद्र" या "पानी एकत्र करने का भूमिगत जलाशय"
- ये शब्द अर्थ में समान है। इन दोनों में जो अन्तर है वह है कि कुएँ में पानी भूगर्भ से निकलता है और हौद में पानी वर्षा का होता है।

(यह भी देखें: यिर्मयाह, बन्दीगृह, कलह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:17
- 2 शमूएल 17:17–18
- उत्पत्ति 16:14
- लूका 14:4–6
- गिनती 20:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0875, H0883, H0953, H1360, H4599, H4726, H4841, G40770, G54210

कुरनेलियुस

तथ्य:

कुरनेलियुस, एक अन्यजाति पुरुष था, वह रोमी सेना में एक अधिकारी था।

- वह परमेश्वर से नियमित प्रार्थना करता था और गरीबों को उदारता से दान देता था।
- प्रेरित पतरस से सुसमाचार सुनकर कुरनेलियुस और उसका परिवार यीशु का विश्वासी हो गया।
- कुरनेलियुस और उसका परिवार प्रथम गैर यहूदी थे, जिन्होंने यीशु में विश्वास किया था।
- इससे यीशु के शिष्यों को समझ में आया कि यीशु सबका उद्धार करने आया था, जिनमें अन्यजातियां भी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, अन्य-जाति, शुभ सन्देश, यूनानी, सूबेदार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:1–2
- प्रे.का. 10:7–8
- प्रे.का. 10:17–18
- प्रे.का. 10:22–23
- प्रे.का. 10:24
- प्रे.का. 10:25–26
- प्रे.का. 10:30–33

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2883

कुरिन्थुस

तथ्य:

कुरिन्थुस नगर यूनान देश का एक नगर था, ऐथेन्स से लगभग 50 मील पश्चिम में। कुरिन्थवासी कुरिन्थ नगर के निवासी थे।

- कुरिन्थ नगर आरंभिक कलीसियाओं में से एक का स्थान था।
- नये नियम में 1कुरिन्थियों और 2कुरिन्थियों पौलुस द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया को लिखे पत्र थे।
- पहली प्रचार यात्रा में पौलुस लगभग 18 महीने कुरिन्थ नगर में ठहरा था।
- कुरिन्थ नगर में पौलुस की भेट दो विश्वासियों, अक्विला और प्रिस्किल्ला से हुई थी।
- कुरिन्थ की कलीसिया से संबन्धित आरंभिक कलीसियाई अगुवों में थे तीमुथियुस, तीतुस, अप्पुलोस और सीलास।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अप्पुल्लोस, तीमुथियुस, तीतुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 1:3
- 2 कुरिन्थियों 1:23–24
- 2 तीमुथियुस 4:19–22
- प्रे.का. 18:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2881, G2882

कुरेन

तथ्य:

कुरेन एक यूनानी नगर था, भूमध्य सागर के उत्तरी तट पर अफ्रीका में क्रेते द्वीप समूह के सीधे दक्षिण में।

- नये नियम के युग में विश्वासी और यहूदी दोनों ही कुरेन में रहते थे।
- बाइबल में कुरेन नगर संभवतः यीशु का क्रूस उठाने वाले शमौन का निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: क्रेते)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:19–21
- मत्ती 27:32–34

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G29560, G29570

कुर्ता

परिभाषा:

बाइबल में, "कुर्ता" शब्द का सन्दर्भ उन वस्त्रों से है जो अन्य वस्त्रों के नीचे त्वचा के स्पर्श में पहने जाते थे।

- “अंगरखा” कंधे से कमर या घुटनों तक पहुंचने वाला वस्त्र था जिसको कमरबन्द से बांधा जाता था। धनवान मनुष्यों द्वारा पहने जाने वाले कुरते में कभी-कभी आस्तीन होती थी और टखनों तक कसा होता था।
- अंगरखे चमड़ा, टाट, ऊन, या सन से बने थे, और पुरुषों और महिलाओं दोनों के द्वारा पहने जाते थे।
- अंगरखा लम्बे बागे के नीचे पहना जाता था, जैसे चोगा या बाहरी वस्त्र। गर्म मौसम में अंगरखेके साथ कभी-कभी बाहरी परिधान नहीं पहना जाता था।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है,, “लंबी कमीज” या “लंबा अधोवस्त्र” या "कमीज जैसा परिधान।" यह एक तरह से "अंगरखा" के समान लिखा जा सकता है, और इसको समझाने के लिए कि यह कैसा कपड़े था, टिप्पणी दी जा सकती है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बागा)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 3:21–23
- यशायाह 22:21
- लैव्यव्यवस्था 8:12–13
- लूका 3:11
- मरकुस 6:7–9
- मत्ती 10:10

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2243, H3801, H6361, G55090

कुल

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33–35
- उत्पत्ति 10:2–5
- उत्पत्ति 36:15–16
- उत्पत्ति 36:29–30
- उत्पत्ति 36:40–43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38–39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुलपति

परिभाषा:

“कुलपति” शब्द पुराने नियम में यहूदियों के मूल पिताओं का संदर्भ देता है, विशेष करके अब्राहम, इसहाक और याकूब।

- यह शब्द याकूब के बारह पुत्रों के संदर्भ में भी काम में लिया गया है जो इस्राएल के बारह गोत्रों के कुलपति हुए थे।
- “कुलपति” शब्द का अर्थ “पूर्वज” ही है परन्तु इसका विशेष संदर्भ जाति के सर्वाधिक जनमान्य पुरुष पूर्वज से है।

(यह भी देखें: पूर्वज, पिता, पुरखा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29–31
- प्रे.का. 07:6–8
- प्रे.का. 07:9–10
- एज्रा 03:12–13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H7218, G3966

कुलुस्से

तथ्य:

नये नियम के युग में कुलुस्से रोमी प्रदेश फ्रूगिया का एक नगर था। आज यह स्थान दक्षिण पश्चिमी तुर्किस्तान है। कुलुस्सेवासी कुलुस्से के निवासी थे।

- भू-मध्यसागर से 100 मील भीतर कुलुस्से इफिसुस और फरात नदी के मध्य एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग था।
- रोम के कारावास में पौलुस ने कुलुस्से के विश्वासियों को पत्र लिखकर झूठी शिक्षाओं का सुधार किया था।
- पत्र लिखते समय पौलुस ने कुलुस्से की कलीसिया से भेंट नहीं की थी। उसने अपने मित्र इपफ्रुदीतुस से उस कलीसिया के बारे में सुना था।
- इपफ्रुदीतुस एक मसीही प्रचारक था जिसने कुलुस्से में कलीसिया संगठित की थी।
- फिलेमोन की पत्री कुलुस्से में ही दासों के एक स्वामी को लिखा पौलुस का पत्र था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इफिसुस, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 1:3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G28570

कुल्हाड़ा

परिभाषा:

कुल्हाड़ी वृक्ष या लकड़ी काटने का साधन है।

- कुल्हाड़ी में एक लकड़ी का डंडा और लोहा लगा होता है।
- यदि आप की भाषा में लकड़ी काटने का एक साधन है तो "कुल्हाड़ी" के स्थान में उस शब्द का प्रयोग करें।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “पेड़ काटने का साधन”, “लकड़ी में लगा हुआ लोहे का उपकरण”, या “लकड़ी काटने का लंबे डंडे का साधन”
- पुराने नियम की एक घटना है कि कुल्हाड़ी डंडे में से निकल कर पानी में गिर गई थी, अतः उसके अनुवाद से प्रकट है कि कुल्हाड़ी डंडे से निकल कर गिर सकती है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 6:7–8
- 2 राजा 6:5
- न्यायियों 9:48–49
- लूका 3:9
- मत्ती 3:10
- भजन संहिता 35:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1631, H4621, H7134, G05130

कुस्रू

तथ्य:

कुस्रू एक फारसी राजा था जिसने सैनिक अभियान द्वारा 550 ई.पू. में फारसी साम्राज्य की स्थापना की थी। इतिहास में वह कुस्रू महान के नाम से भी जाना जाता है।

- कुस्रू ने बेबीलोन को जीत लिया था, और तब ही से बन्धुआ इस्राएलियों की मुक्ति का आरंभ हुआ।
- कुस्रू जीती हुई जातियों के प्रति अपने सहनशील स्वभाव के लिए प्रसिद्ध था। यहूदियों के साथ उसकी उदारता के व्यवहार के कारण ही बन्धुआई के बाद यरूशलेम मन्दिर का पुनः निर्माण हुआ था।
- कुस्रू के राज्यकाल में दानिय्येल, एज्रा और नहेम्याह जीवित थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: दानिय्येल, दारा, एज्रा, नहेमायाह, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 36:23
- दानिय्येल 01:21
- एज्रा 05:13
- यशायाह 44:28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3566

कूश

तथ्य:

कूश नहू के पुत्र, हाम का बड़ा पुत्र था। वह निम्रोद का पूर्वज था। उसके दो भाइयों के नाम मिस्र और कनान थे।

- पुराने नियम के युग में इस्राएल के दक्षिण में एक विशाल क्षेत्र का नाम कूश था। संभव है कि उस स्थान का नाम हाम के पुत्र कुश के नाम पर पड़ा था।
- कूश का प्राचीन क्षेत्र अलग-अलग समयों में आज के सूडान, मिस्र, इथोपिया और संभवतः सऊदी अरब का देश थे।
- एक और पुरुष का नाम कूश हुआ है जिसका उल्लेख भजनों में किया गया है। वह एक बिन्यामीनी था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अरब, कनान, मिस्र, इथोपिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:8–10
- यहेजकेल 29:8–10
- उत्पत्ति 02:13–14
- उत्पत्ति 10:6–7
- यिर्मयाह 13:22–24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3568, H3569, H3570

कूश

तथ्य:

कूश अफ्रीका का एक देश है जो मिस्र के ठीक दक्षिण में है जिसके पश्चिम में नील नदी और पूर्व में लाल सागर है। कूश का निवासी "कूशी" कहलाता है।

- प्राचीन कूश मिस्र के दक्षिण में था और उसकी सीमाओं में आज के अनेक अफ्रीकी देशों को जैसे सूडान, वर्तमान कूश, सोमालिया, केन्या, यूगांडा, केन्द्रिय अफ्रीका गणराज्य तथा चाड हैं।
- बाइबल में कूश को "कूश" देश या "नूबिया" भी कहा गया है।
- इथोपिया (कूश) और मिस्र देशों का उल्लेख बाइबल में प्रायः एक साथ किया गया है, संभवतः इसलिए कि वे पड़ोसी देश थे और उनके पूर्वज संभवतः एक ही थे।
- परमेश्वर ने प्रचारक फिलिप्पुस को रेगिस्तान में भेजा कि वह इथोपिया के खोजे को यीशु का शुभ सन्देश सुनाए।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कूश, मिस्र, खोजा, फिलिप्पुस)

के समान

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:27
- प्रे.का. 08:30
- प्रे.का. 08:32–33
- प्रे.का. 08:36–38
- यशायाह 18:1–2
- नहूम 03:8–09
- सपन्याह 03:9–11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G128

के समान

परिभाषा:

"के समान" या "समानता" का सन्दर्भ ऐसी वस्तु से है जो किसी दूसरी वस्तु के जैसी हो या समरूप हो।

के समान

- “समान” शब्द का उपयोग प्रायः लाक्षणिक भाषा की अभिव्यक्ति, "उपमा" में किया जाता है जिसमें एक वस्तु की तुलना किसी और से की जाती है जो प्रायः सामान गुणों को उजागर करती है| उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी” (देखें: उपमा)
- “के सदृश्य होना” या “के सामान सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उस वस्तु या मनुष्य के लक्षण/गुण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसके “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "सादृश्य में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानता में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण उसमें होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति, “की समानता” का अनुवाद हो सकता है, “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसकी मृत्यु के अनुभव साझेदारी” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।

- "नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में" का अनुवाद हो सकता है "नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां"

(यह भी देखें: पशु, मांस, परमेश्वर का प्रतिरूप, छवि, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 1:5
- मरकुस 8:24
- मत्ती 17:2
- मत्ती 18:3
- भजन संहिता 73:5
- प्रकाशितवाक्य 1:12–13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

केदार

तथ्य:

केदार इश्माएल के दूसरे पुत्र का नाम था। केदार नाम का एक महत्वपूर्ण नगर भी था, संभवतः इसी पुरुष के नाम पर।

- केदार नगर अरब के उत्तरी भाग में पलिश्तीन की दक्षिणी सीमा पर स्थित था। बाइबल के युग में यह नगर अपने वैभव और सौदंर्य के लिए प्रसिद्ध था।
- केदार के वंशज एक बड़ी जाति हुए जिन्हें "केदार" के नाम से ही जाना जाता था।
- "केदार के काले तम्बू" इसलिए कहा गया है कि केदार जाति बकरी के काले बालों से बने तम्बुओं में रहते थे।
- यह जाति भेड़ बकरियां पालती थी। वे ऊंट को भी सामान लाने ले जाने में उपयोग करते थे।
- बाइबल में "केदार का वैभव" उस नगर एवं वहां के लोगों के बड़प्पन के संदर्भ में है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अरब, बकरी, इश्माएल, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- श्रेष्ठगीत 01:5–6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6938

केदेश

तथ्य:

केदेश एक कनानी नगर था जिसे कनान प्रवेश के समय इस्राएलियों ने जीत लिया था।

- ये शहर इस्राएल के उत्तरी क्षेत्र में स्थापित था, उस भू भाग में जो नप्ताली के गोत्र को दिया गया था।
- केदेश शहर उन चुनिन्दा जगहों में से एक था जहां लेवीय याजक रहे थे, क्योंकि उनके पास उनकी अपनी कोई भूमि नहीं थी।
- इस जगह को "शरण का शहर" के रूप में अलग रखा गया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: कनान, हेब्रोन, लेवी, नप्ताली, याजक, शरण, शेकेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:71–73
- यहोशू 19:35–37
- न्यायियों 04:10

शब्द तथ्य:

कैन

तथ्य:

कैन और उसका छोटा भाई हाबिल आदम और हव्वा के प्रथम पुत्र थे जिनका उल्लेख बाइबल में किया गया है।

- कैन एक किसान था और हाबिल पशुपालक था।
- कैन ने ईर्ष्या के कारण क्रोध में आकर अपने भाई हाबिल की हत्या कर दी थी, उसके क्रोधित होने का कारण था कि परमेश्वर ने हाबिल की भेंट स्वीकार की और कैन की भेंट को स्वीकार नहीं किया था।
- दण्डस्वरूप परमेश्वर ने उसे अदन से बाहर निकाल दिया और उसे श्राप दिया कि भूमि उसके लिए फसल उत्पन्न नहीं करेगी।
- परमेश्वर ने कैन के माथे पर एक चिन्ह अंकित कर दिया था कि परमेश्वर उसकी रक्षा करेगा यदि किसी ने उसके प्राण लेने का प्रयास किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आदम, बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 3:12
- उत्पत्ति 4:2
- उत्पत्ति 4:9
- उत्पत्ति 4:15
- इब्रानियों 11:4
- यहूदा 1:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H7014, G2535

कैफा

तथ्य:

कैफा यीशु और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में इस्राएल का महायाजक था।

- यीशु के अभियोग और दण्ड में कैफा ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- महायाजक हन्ना और कैफा पतरस और यूहन्ना के अभियोग में उपस्थित थे जब उन्हें एक लंगड़े मनुष्य को चंगा करने के लिए बन्दी बनाया गया था।
- कैफा ही था जिसने कहा था कि संपूर्ण देश के विनाश की अपेक्षा, उसके स्थान में एक मनुष्य का मरना उचित है। परमेश्वर ने उससे यह भविष्यद्वाणी करवाई थी कि यीशु अपनी प्रजा के उद्धार के निमित्त जान देगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हन्ना, महा-याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 4:7
- यूहन्ना 18:12
- लूका 3:2
- मत्ती 26:3–5
- मत्ती 26:57–58

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G25330

कैसर

तथ्य:

“कैसर” रोमी साम्राज्य के शासकों का पदनाम था। बाइबल में यह नाम तीन रोमी सम्राटों के संदर्भ में आया है।

- पहला, कैसर "औगुस्तुस कैसर" था, वह यीशु के जन्म के समय सिंहासन पर था।
- लगभग तीस वर्ष पश्चात जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार कर रहा था तब रोमी साम्राज्य का शासक तिबिरियास कैसर था।
- जब यीशु ने लोगों से कहा था कि जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो तब कैसर तिबिरियास ही सिंहासन पर था।
- पौलुस ने कैसर की दोहाई दी थी तब कैसर नीरो सिंहासन पर था।
- “कैसर” शब्द का जब पदनाम स्वरूप उपयोग किया गया है तब इसका अनुवाद “सम्राट” या “रोमी शासक” किया जा सकता है।
- कैसर औगुस्तुस या कैसर तिबिरियास आदि के उल्लेख में "कैसर" शब्द की वर्तनी राष्ट्रीय भाषा में उसके उच्चारण के निकटतम हो|

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: राजा, पौलुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:6
- लूका 2:1
- लूका 20:23–24
- लूका 23:2
- मरकुस 12:13–15
- मत्ती 22:17
- फिलिप्पियों 4: 22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G25410

कैसरिया

तथ्य:

कैसरिया भूमध्य सागर के तट पर, कर्मेल पर्वत से 39 कि.मी. दक्षिण की ओर, एक महत्वपूर्ण नगर था। कैसरिया फिलिप्पी इस्राएल के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हेर्मोन पर्वत के निकट एक नगर था।

- इन नगरों का नाम रोमी सम्राट कैसर के नाम पर पड़ा था।
- यीशु के जन्म के समय तटीय कैसरिया यहूदिया के रोमी प्रांत की राजधानी बन गया।
- प्रेरित पौलुस ने अन्य जातियों में सर्वप्रथम कैसरिया में ही प्रचार किया था।
- पौलुस ने तरसुस के लिए कैसरिया से ही प्रस्थान किया था और अपनी दो प्रचार यात्राओं में वह कैसरिया होकर गया था।
- यीशु और उसके शिष्यों ने कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्रों में सीरिया का भ्रमण किया था। इन दोनों नगरों का नाम हेरोदेस फिलिप्प के नाम पर पड़ा था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कैसर, अन्य-जाति, झील, कर्मेल, पर्वत हेर्मोन, रोम, तरसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 9:30
- प्रे.का. 10:1–2
- प्रे.का. 25:1
- प्रे.का. 25:14
- मरकुस 08:27
- मत्ती 16:13–16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G25420, G53760

कोने का पत्थर

परिभाषा:

"कोने का पत्थर" एक बड़ा पत्थर होता है जो विशेष करके तराशा हुआ होता है और भवन की नींव में रखा जाता है।

- भवन के अन्य सब पत्थर इस कोने के पत्थर के संयोजन में रखे जाते हैं।
- यह पत्थर संपूर्ण रचना की दृढ़ता एवं स्थिरता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है।
- नये नियम में विश्वासियों की सभा को उपमा रूप में एक मन्दिर कहा गया है जिसका कोने का पत्थर मसीह यीशु है।
- जिस प्रकार भवन के कोने का पत्थर संपूर्ण भवन की स्थिति को संभालता है और सहारा देता है ठीक उसी प्रकार मसीह यीशु विश्वासियों की सभा का कोने का पत्थर है जिसके द्वारा वह संभाली हुई एवं स्थिर है।

अनुवाद के सुझाव:

- "कोने के पत्थर" का अनुवाद "भवन का मुख्य पत्थर" या "नींव का पत्थर" किया जा सकता है।
- यहां ध्यान दें कि लक्षित भाषा में भवन की नींव के किसी भाग के लिए कोई शब्द है जो मुख्य आधार है। यदि ऐसा शब्द है तो उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है।
- इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "भवन के कोने के लिए काम में लिया गया नींव का पत्थर"
- यह महत्वपूर्ण है कि इस पत्थर के बड़े होने का तथ्य निहित हो जो भवन के लिए एक ठोस एवं सुरक्षित सामग्री स्वरूप काम में लिया जाता है। यदि भवन निर्माण में पत्थर काम में नहीं लिए जाते हैं तो कोई और शब्द होगा जिसका उपयोग किया जा सकता है और उसका अर्थ, "बड़ा पत्थर" हो (जैसे "चट्टान") परन्तु उसमें विचार यह हो कि उसको उचित आकार दिया गया है कि वह यथास्थान बैठे।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 4:11
- इफिसियों 2:20
- मत्ती 21:42
- भजन संहिता 118:22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0068, H6438, H7218, G02040, G11370, G27760, G30370

कोरह

परिभाषा:

कोरह नामक तीन पुरुष पुराने नियम में हुए थे।

- एसाव के पुत्रों में से एक का नाम कोरह था। वह अपने समुदाय का अगुआ था।
- एक लेवी वंशी भी कोरह नाम का था जो मिलापवाला तम्बू(मण्डप) में याजकीय सेवा करता था। उसने मूसा और हारून से ईर्ष्या करके कुछ लोगों के साथ उनके विरुद्ध विद्रोह किया था।
- कोरह नामक तीसरा पुरुष यहूदा की वंशावली में नामांकित है।

(यह भी देखें: हारून, अधिकार, कालेब, वंशज, एसाव, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 1:34–37
- गिनती 16:1–3
- गिनती 16:25–27
- भजन संहिता 42:1–2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स H7141